अतियंत गोपनीय -केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतू

माध्यमिक विधालय परीक्षा, मार्च-2020

अंक-योजना SANSKRIT

SUBJECT कोड संख्या : 122 PAPER कोड : 52 SERIES: JBB

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ। कक्षा दसवीं के प्रश्नपत्र में दिए गए दक्षता आधारित(competency based) दो प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें; उनके उत्तर चाहे अंक-योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों तब भी सही दक्षताओं की परिगणना की गई हो तो अंक दिए जाने चाहिए।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परिषद पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है।

कृपया ध्यान दीजिए ः

1। कुछ प्रश्नों के विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं। इस अंक योजना में दिए गए उत्तर निदर्शनात्मक हैं। इनके अतिरिक्त भी संदर्भानुसार सही उत्तर हो सकते हैं, अतः अंक दिए जाएँ।

2। अनुच्छेद अथवा श्लोकों पर आधारित प्रश्न अवबोधनात्मक हैं। विद्यार्थी अनुच्छेद में दिए गए शब्दों के स्थान पर पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग भी कर सकते हैं इसके लिए भी अंक दिए जाएँ। विद्यार्थी उत्तर देते समय उपयुक्त विभक्ति अथवा वचन का प्रयोग नहीं करते तो अंशतः अंक काटे जाएँ संपूर्ण नहीं।

3। त्रुटिपूर्ण वर्तनी अथवा व्याकरणात्मक प्रयोगों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूरे अंक।

4। जहाँ भी विकल्प दिए गए हैं उन प्रश्नों मे से केवल सही उत्तर वाले विकल्प ही ले लिए जाएँ। आंशिक दृष्टि से सही उत्तरों के लिए भी अंशतः अंक अवश्य दिए जाएँ।

5। खण्ड 'ख' में (रचनात्मकं कार्यम्) के अन्तर्गत वाक्य निर्माण संबंधी प्रश्न में वाक्य संरचना प्रमुख है न कि वाक्य का सौंदर्य तत्त्व। आंशिक वाक्य-शुद्धता के लिए भी अंक दिए जाएँ।

संकेतात्मक उत्तर व अंक विभाजन ः

खण्डः 'क' (Section-A)(अपठितांश अवबोधनम्) 10 अङ्काः

1। (अ) एकपदेन उत्तरत। (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times2=2$

(i) सङ्गणकस्य/सङ्गणकयन्त्रस्य (ii) सेफ्टी टेक्नालॉजी (iii) नवीनैः

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत । (केवल दो प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए **2** अंक। $2\times2=4$

(i) ..... स्मृतिरूपेण .....।

(ii) क्रिमिप्रवेशेन .....।

(iii) .....अन्तर्जालद्वारा/क्रिमिप्रवेशेन विनष्टाः.....।

(स) सङ्गणकयन्त्रम्/ सङ्गणकयन्त्रस्य उपयोगिता / सङ्गणकयन्त्रस्य महत्वम् अथवा अन्य उपयुक्त शीर्षक। 1

(द) यथानिर्देशम् उत्तरत। (केवल तीन प्रश्न) प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। $1\times3=3$

(i) (ख) सङ्गणकयन्त्रम् (ii) (क) नूतनम् (iii) (ग) अन्तर्जालम् (iv) (ख) नूतनम्

खण्डः 'ख' (Section-B)(रचनात्मकं कार्यम्) 15 अङ्काः

2। पत्रलेखनम् - 10 रिक्तस्थान ।प्रत्येकभाग के लिए ½ अंक। $\frac{1}{2}\times10=5$

(i) दिल्लीतः
(ii) प्रिय अग्रज
(iii) कुशली
(iv) स्मरतः
(V) आगमिष्यति
(vi) अवश्यम्
(vii) लेखिष्यति
(viii) सम्यक्
(ix) कुशलम्
(x) अनुजः

3। चित्र लेखनम् $1\times5=5$

बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित हैं। केवल वाक्य की शुद्धता देखी जाए। इस प्रश्न का प्रमुख उद्देश्य वाक्य रचना है। वाक्य लघु अथवा दीर्घ हो यह महत्वपूर्ण नहीं। व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध होने पर पूर्ण अंक दिए जाएँ । मंजूषा में दिए गए शब्द सहायतार्थ हैं, बच्चे शब्द चुने अथवा नहीं-आवश्यक नहीं। वे स्वयं शब्दों का प्रयोग कर वाक्य-निर्माण कर सकते हैं। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए **1** अंक हैं।

अथवा

विद्याधनं सर्वधनप्रधानम् विषय पर पाँच वाक्य लिखने हैं। यह विकल्प सबके लिए दिया गया है। बच्चे स्वयं भी मंजूषा में दिए गए शब्दों की विभक्तियाँ आदि भी बदल सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ। पूर्णतया शुद्ध होने पर ही **5** अंक दिए जाएँ। प्रत्येक वाक्य के लिए **1** अंक हैं।

4। किन्हीं **पाँच** वाक्यों का अनुवाद करना है। बच्चों से सरल,संक्षिप्त वाक्य अपेक्षित हैं। बच्चे पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं। अन्य विकल्पात्मक उत्तर भी हो सकते हैं अतः अंक दिए जाएँ। त्रुटियों के अंक अंशतः काटे जाएँ न कि पूरे। **1×5=5**

(i) पिता दुग्धम् आनयति।
(ii) युवां संस्कृतं पठथः/पठतम्।
(iii) श्वः रमेशः पाटलिपुत्रं गमिष्यति।
(iv) सुधा कुत्र आसीत्?
(v) यूयं कक्षायां पठत/पठथ।
(vi) कुक्कुरः व्याघ्रात् बिभेति।
(vii)किं अहं बहिः गच्छानि/गच्छेयम्/गच्छामि? / अहं बहिः गच्छानि/गच्छामि वा।

खण्डः 'ग' (Section-C)(अनुप्रयुक्त व्याकरणम्) 25 अंकाः

5। **सन्धि/संधिच्छेद** -आंशिक दृष्टि से सही उत्तर के लिए आंशिक अंक अवश्य दिए जाएँ। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) सन्मार्गे/सदमार्गे (ii) वि+ छेदः (iii) हरिं वन्दे (iv) तुरङ्गाः + तुरङ्गैः (v) सृष्टिरेषा

6। **समस्तपदविग्रह** -इस प्रश्न का मूल उद्देश्य 'समस्तपद' अथवा 'विग्रह' की समझ है। प्रत्येक के लिए **1** अंक है। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) (ग) स्थिता प्रज्ञा यस्य सः (ii) (ग) उद्यमेन समः (iii) (ख) पिकः च काकः च
(iv) (ग) शक्तिम् अनतिक्रम्य (v) (क) अनुमृगम्

7। **प्रकृति-प्रत्यय**-बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। (केवल चार प्रश्न) **1×4=4**

(i) (ख) सहिष्णु+तल् (ii) (ग) स्थिर+त्व (iii) (क) बुद्धिमत्+ङीप् (iv) (क) धर्म+ठक् (v) (ग) शिक्षक+टाप्

8। **वाच्य परिवर्तन**-बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए **1** अंक। (केवल तीन प्रश्न)। **1×3=3**

(i) गच्छामि (ii) त्वया (iii) मया

अथवा (OR)

यह विकल्प सबके लिए दिया गया है। प्रत्येक भाग के लिए **1** अंक। (केवल तीन प्रश्न)। **1×3=3**

(i) रामेण पाठः पठ्यते।
(ii) लता पुष्पाणि चिनोति।
(iii) मया पत्रं लिख्यते।
(iv) गौः तृणानि भक्षयति।
(v) विद्यया विनयः /विनयं दीयते।

9 । समय-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं । अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ । प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक । (केवल चार प्रश्न)

(i) सार्ध-नव (वादने) (ii) सपाद-सप्त (वादने) (iii) अष्ट (वादने) (iv) सार्ध-पञ्च (वादने) (v) पादोन-दश (वादने) $1\times4=4$

10 । अव्यय-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं । कुछ प्रश्नों के उत्तर विकल्पात्मक हो सकते हैं अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ । प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक । (केवल छः प्रश्न) $\frac{1}{2}\times6=3$

(i) श्वः (ii) ह्यः (iii) शनैः-शनैः (iv) सहसा

(v) उच्चैः (vi) इदानीम् (vii) इतस्ततः (viii) च

11 । अशुद्धि शोधन-सम्बन्धी प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं । प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक । (केवल तीन प्रश्न) $1\times3=3$

(i) नेत्राभ्याम् (ii) पाठाः (iii) बालकाः (iv) अगच्छत्

खण्डः 'घ भाग ' (Section-D)(पठितांश-अवबोधनम्) 30 अङ्काः

12 । इस प्रश्न का मूल उद्देश्य **अवबोधन** परीक्षण है । बच्चे **पर्यायवाची** शब्दों का प्रयोग कर सकते हैं । पूर्ण अंक दिए जाएँ । आंशिक सही होने पर भी आंशिक अंक दिए जाएँ ।

गद्यांशः

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न) । प्रत्येक के लिए ½ अंक । $\frac{1}{2}\times2=1$

(i) राजसिंहः (ii) चपेटया (iii) व्याघ्रम्

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न) । एक प्रश्न के लिए 1 अंक । 1

(i) .....कथमेकैकशो व्याघ्रभक्षणाय कलहं कुरुथः । .....।

(ii) ... पितुर्गृहं..... ।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत - (केवल तीन प्रश्न) । प्रत्येक के लिए 1 अंक । $1\times3=3$

(i) (ख) भार्या (ii) (क) बुद्धिमती (iii) (क) गहने (iv) (ग) ददर्श

13 । **पद्यांशं**

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न) । प्रत्येक के लिए ½ अंक । $\frac{1}{2}\times2=1$

(i) कर्म/व्यायामं (ii) शरीरायासजननम् (iii) शरीरस्य

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न) । एक प्रश्न के लिए 1 अंक । 1

(i) ..... व्यायामं/कर्म/तत् कृत्वा .....।

(ii) ..... सुखं देहं विमृदनीयात् ।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत - (केवल तीन प्रश्न) । प्रत्येक के लिए 1 अंक । $1\times3=3$

(i) (क) जनः (ii) (ख) देहम् (iii) (ख) समन्ततः (iv) (ग) सुखम्

14 । नाट्यांशं

(अ) एकपदेन उत्तरत - - । (केवल दो प्रश्न) । प्रत्येक के लिए ½ अंक । $\frac{1}{2}\times2=1$

(i) वानरः /मयूरः (ii) काकः (iii) पिच्छानाम्

(ब) पूर्णवाक्येन उत्तरत - । (केवल एक प्रश्न) । एक प्रश्न के लिए 1 अंक । 1

(i) ..... मम/मयूरस्य शिरसि राजमुकुटमिव शिखां स्थापयता.....।

(ii) ..... मम/मयूरस्य नृत्यं .....।

(स) यथानिर्देशम् उत्तरत - (केवल तीन प्रश्न) । प्रत्येक के लिए 1 अंक । $1\times3=3$

(i) (ग) वन्यजीवाः (ii) (ख) सौन्दर्यम् (iii) (क) उपरि (iv) (ख) तत्पराः

15 <u>प्रश्ननिर्माण-संबंधी</u> इस प्रश्न में बच्चे केवल प्रश्नवाचक शब्द लिख सकते हैं। व्याकरण वर्तनी आदि की त्रुटियों के लिए अनुपाततः अंक काटे जाएँ न कि पूर्ण। इस प्रश्न में अवबोधन प्रमुख है तथा विकल्पात्मक उत्तर हो सकते हैं। केवल चार प्रश्न प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×4=4**

(i) कम्/किम् (ii) कस्य (iii) कथम् /केन (iv) कुत्र/कस्मिन् (v) केषाम्

16 <u>अन्वय-संबंधी</u> इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। कुल आठ रिक्त स्थान प्रत्येक भाग के लिए ½ अंक। **½×8=4**

I (i)शरीरोपचयः (ii) सुविभक्तता (iii) अनालस्यम् (iv) मृजा
II (i) आत्मनः (ii) इच्छति (iii) परेभ्यः (iv) कर्म

अथवा (OR)

<u>भावार्थ-संबंधी</u> इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर लिख सकते हैं। अतः पूर्ण अंक दिए जाएँ। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×4=4**

(i) महापुरुषाः (ii) विपन्नतायां (iii) उदयकाले/अस्तकाले (iv) अस्तकाले/उदयकाले

17 <u>कथाक्रम-संबंधी</u> इस प्रश्न में बच्चे केवल उत्तर संख्या लिख सकते हैं। इस प्रश्न में अवबोधन प्रमुख है तथा विकल्पात्मक उत्तर हो सकते हैं ।

½×8=4

(i) वनस्य समीपे .....।
(ii) एकः सिंहः सुखेन .....।
(iii) क्रुद्धः सिंहः तं.....।
(iv) तदैव अन्यस्मात् .....।
(v) एवमेव वानराः .....।
(vi) क्रुद्धः सिंहः इतस्ततः धावति .....।
(vii) वानराः वृक्षोपरि स्थिताः.....।
(viii) विविधाः पक्षिणः अपि.....।

18 <u>शब्दार्थ -संबंधी</u> इस प्रश्न में बच्चे केवल क्रमसंख्या लिख सकते हैं अंक दिए जाएँ। वर्तनी आदि की दृष्टि से अंक अंशतः ही काटे जाएँ। केवल तीन प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×3=3**

(i) शत्रुः - अरिः (ii) मित्रम् - सुहृद् (iii) बलीवर्दः - वृषभः (iv) शीघ्रम् - अचिरम्

अथवा (OR)

केवल तीन प्रश्न। प्रत्येक भाग के लिए 1 अंक। **1×3=3**

(i) (क) गुप्तप्रदेशम् (ii) (ग) मित्र! (iii) (ख) अधुना (iv) (क) असत्यम्

****